Nai Dunia (Indore), 02nd June 2022, Page –02

प्रदेश सरकार करेगी आइआइटी का उज्जैन सैटेलाइट परिसर तैयार करने में मदद

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर का उज्जैन में प्रस्तावित सैटेलाइट परिसर तैयार कराने के लिए प्रदेश सरकार आगे आई है। संस्थान उज्जैन में 100 एकड़ जमीन पर करीब 500 करोड़ रुपये से सैटेलाइट परिसर बनाना चाहता है, लेकिन आइआइटी के पास बजट नहीं है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार से संस्थान ने मदद की गुहार लगाई थी।

कुछ दिन पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान आइआइटी इंदौर में आए थे। इस संबंध में संस्थान के निदेशक प्रो. सुहास जोशी के साथ चर्चा हुई थी। इसके बाद संस्थान ने केंद्र सरकार को भी परिसर

की योजना की जानकारी देने के लिए पत्र व्यवहार किया था। कुछ दिन पहले प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शैलेंद्र सिंह भी आइआइटी इंदौर पहुंचे थे। उन्होंने भी इस बारे में बात की। शैलेंद्र सिंह ने संस्थान के अधिकारियों को कहा था कि वे शिक्षा मंत्रालय के साथ बात करेंगे, ताकि केंद्र और राज्य मिलकर परिसर को तैयार करने के लिए पैसा जुटा पाएं। राज्य सरकार की ओर से इस शर्त पर आइआइटी इंदौर के सैटेलाइट परिसर के लिए पैसा दिया जाएगा कि संस्थान परिसर में कौशल विकास कार्यक्रम चलाएंगे। आइआइटी इंदौर ने कुछ प्रमुख कोर्स के साथ कौशल विकास के कोर्स शुरू करने पर सहमति दे दी है। अब कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर राज्य सरकार आइआइटी के उज्जैन परिसर के लिए पैसा देगी। आइआइटी इंदौर पर केंद्र की ओर से 350 करोड़ रुपये का कर्ज है। ऐसे में संस्थान उज्जैन परिसर के लिए सरकार से और कर्ज नहीं ले सकता। इसके चलते केंद्र व राज्य सरकार मिलकर परिसर को विकसित करने में मदद करेंगे।